

सहायक सामग्री के प्रकार =

सहायक सामग्री के महत्त्व के आधार पर हम इसका वर्गीकरण निम्न प्रकार कर सकते हैं।

1- दृश्य सामग्री (Visual Aids) =

गणित में ऐसी सहायक सामग्री जिसको घात आंखों से देखकर उपयोग कर सकें प्रायः चित्र, आकृति या चार्ट ही हैं।

2 श्रव्य सामग्री (Audio - Aids) =

वे साधन जिनको कानों से सुना जाये, जैसे ग्रामोफोन, रिकॉर्ड, रेडियो, आवाज़ फोन आदि श्रव्य सामग्री के अन्तर्गत आते हैं।

3 दृश्य श्रव्य सामग्री (Audio-Visual Aids) =

ऐसी शिक्षण सामग्री जिसमें घात सुन भी सकते हैं और देख भी सकते हैं अर्थात् आंखों और कानों का एक ही साथ उपयोग हो सके। जैसे टेलीविजन, चलचित्र और फिल्म प्रोजेक्टर आदि।

⇒ गीत शिक्षण में अध्यापक सागरी के रूप में प्रयुक्त होने वाली वस्तुएं निम्न हो सकती हैं।

① श्यामपट्ट (Black Board) ⇒

गीत शिक्षण में श्यामपट्ट का प्रयोग आवश्यक है। गीत अध्यापक को श्यामपट्ट का प्रयोग करने का विधि का पूरा पूरा ज्ञान होना चाहिए।

② मॉडल (Model) ⇒

अध्यापक के लिये यह सदैव सम्भव नहीं होता कि वह विद्यार्थियों के सम्मुख वास्तविक पदार्थ प्रस्तुत कर सके। ऐसी स्थिति में वह मॉडल से पर्याप्त सहायता ले सकता है।

सावधानियाँ ⇒

गीत शिक्षण में जब चार्ट, मॉडल, चित्र तथा रेखाचित्र का प्रयोग किया जाये तो शिक्षक को चाहिए कि वह निम्न बातों का ध्यान में रखकर ही प्रयोग करे।

1. ये सभी चीजें सूचित होनी चाहिए अर्थात् ये विद्यार्थियों के स्तर के अनुकूल हों।

2. ये चित्र, चार्ट, मॉडल इत्यादि स्वयं में ही समस्या न बनकर रह जायें।

②

3 चर्चा, चिन्ता, गाँड़ल तथा रेखाचित्र विषय से सम्बन्धित  
और सही होन चाहिये।

4 = ये वस्तुएँ सरल होनी चाहिये। विद्यार्थी इसे देखकर  
स्वयं ही समझ जाय।

3 बुलेटिन बोर्ड (Bulletin Board) =

बुलेटिन बोर्ड पर समाचार पत्रों  
मैगजीन इत्यादि से गणित को मुख्य समस्याओं, गणित  
सम्बन्धी समाचारों, ग्राफों, पोस्टरों आदि को प्रदर्शित  
करके बच्चों का ध्यान उनको ऊपर आकर्षित किया जा  
सकता है।

4 जादू का लालटेन =

इस साधन के शैक्षिक मूल्य को  
प्रायः सभी शिक्षा शास्त्रियों ने स्वीकार किया है। इसके  
द्वारा शिक्षण में सजीवता एवं प्रभावपूर्णता लायी जा सकती  
है। अपूर्ण तथा गूढ़ तथ्यों को बोधगम्य बनाने के लिये  
यह अमूल्य साधन है।

23/04/22.

(3)